Date-22-05-2020

Dr. Sanchlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's college, Samastipur
Email Id. - Snehababli 1987@gmail.com
Cont. no. - 8409587640

Class - B.A.I (Hons)

Topic - Vaisheshika (Objective questions)

Scanned with CamScanner

वैशेषिक दर्शन (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. किसका यह मत है कि समवाय एक आन्तरिक नहीं, बल्कि बाह्य सम्बन्ध है क्योंकि समवाय से जुड़ी वस्तुएँ एक-दूसरे से पृथक होती है?
(a) शंकर (b) रामानुज (c) वल्लभ (d) वाचस्पति

2. असत्कार्यवाद का सम्बन्ध है
(a) जैन दर्शन से (b) चार्वाक दर्शन से (c) वैशेषिक दर्शन से (d) इनमें से कोई नहीं

3. अभाव एक पदार्थ है, परन्तु प्रमाण नहीं, यह मत है
(a) मीमांसा का (b) बौद्ध दर्शन का (c) न्याय वैशेषिक का (d) चार्वाक का

4. वैशेषिक दर्शन में अभाव के कितने प्रकार बताए गए है?
(a) दो (b) तीन (c) चार (d) पाँच

5. असत्कार्यवाद के सन्दर्भ में कौन-सा कथन असत्य है?
(a) असत्कार्यवाद वैशेषिक दर्शन का कारण कार्य नियम है।
(b) वैशेषिक के अनुसार कारण नियत पूर्ववर्ती होता है।
(c) इस सिद्धान्त को आरम्भवाद भी कहा जाता है, क्योंकि यह कार्य को एक नवीन उत्पत्ति मानता है।
(d) असत्कार्यवाद का सिद्धान्त भारतीय दर्शन में सिर्फ वैशेषिक दर्शन में मिलता है।

6. वैशेषिक दर्शन के अनुसार कारण के कितने प्रकार बताए गए है?
(a) दो (b) तीन (c) चार (d) पाँच

7. घड़े एवं मिट्टी का सम्बन्ध किस कारण का उदाहरण है?
(a) समवायी कारण (b) असमवायी कारण
(c) निमित्त कारण (d) इनमें से कोई नहीं

8. किस कारण को अन्य दर्शन में उपादान कारण कहा जाता है?
(a) निमित्त कारण (b) असमवायी कारण (c) समवायी कारण (d) इनमें से कोई नहीं

9. वैशेषिक दर्शन में मोक्ष के लिए किस शब्द का प्रयोग हुआ है?
(a) समवायी (b) अदृष्ट (c) दृष्ट (d) निःश्रेयस

10. किस दर्शन में धर्म का लक्षण है — "यतो अभ्युदयनि: श्रेयससिद्धि: सधर्म:।"
(a) जैन (b) बौद्ध (c) न्याय (d) वैशेषिक

Scanned with CamScanner

11. पदार्थ के यथार्थ स्वरूप के ज्ञान को कहते हैं।

(a) विज्ञान (b) तत्वज्ञान (c) श्रद्धा (d) कर्म

12. निम्नलिखित कथनों में असत्य कथन कौन-सा है?

(a) परमाणुकारणवाद न्याय-वैशेषिक दर्शन का एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त है।

(b) महर्षि गौतम के अनुसार जिसे और अधिक विभाजित न किया जा सके, वही परमाणु है।

(c) न्याय-वैशेषिक में पाँच प्रकार के परमाणु को स्वीकार किया गया है।

(d) प्रत्येक परमाणु का अपना एक विशेष महत्व होता है।

13. न्याय-वैशेषिक में कितने प्रकार के परमाणुओं को स्वीकार किया गया?

(a) चार (b) पाँच (c) छः (d) सात

14. किसके परमाणु में स्पर्श का गुण प्रमुख रूप से पाया जाता है?

(a) आकाश (b) वायु (c) पृथ्वी (d) इनमें से कोई नहीं जल

15. वैशेषिक परमाणुवाद के सम्बन्ध में कौन-सा कथन सही है?

(a) यह परमाणुओं में संख्या भेद और गुण भेद दोनों मानता है।

(b) यह परमाणुओं में केवल संख्या भेद मानता है।

(c) यह परमाणुओं में केवल गुण भेद मानता है।

(d) यह परमाणुओं में न तो केवल गुण भेद मानता है न ही संख्या भेद।

16. न्याय वैशेषिक के मतानुसार परमाणु स्वभावतः है।

(a) निष्क्रिय (b) सक्रिय (c) निष्क्रिय व सक्रिय दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. न्याय दर्शन का मुख्य उद्देश्य जीवन के दुःखों का किस तरह से नाश हो, इसका उपाय निकालना है।
2. न्याय दर्शन के प्रवर्तक महर्षि गौतम का पूरा नाम मेधातिथि गौतम है।
3. न्याय दर्शन में सात पदार्थों के अस्तित्व को स्वीकार किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है।

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3

(c) केवल 3 (d) 1, 2, और 3

Scanned with CamScanner

18. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. प्राचीन समय का न्याय- प्रणाली प्राचीन न्याय तथा आधुनिक काल का न्याय नव्य न्याय कहलाता है।

2. नव्य न्याय का प्रारम्भ गंगेश की तत्व चिन्तामणि से हुआ है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न तो 2

19. निम्नलिखित कथनों पर न्याय दर्शन के अन्तर्गत विचार कीजिए।

1. यथार्थ अनुभव को अप्रमा कहा जाता है।

2. किसी वस्तु के अन्यथा अनुभव को प्रमा कहते हैं।

उपर्युक्त में से कौन कथन सत्य है।

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. न्याय दर्शन ज्ञान को अनुभव कहता है।

2. न्याय दर्शन में प्रमा के तीन भेद होते हैं।

3. न्याय दर्शन में अप्रमा के चार भेद होते हैं।

कूट

(a) केवल 1 (b) 2 और 3 (c) 1 और 3 (d) 1, 2, और 3

Scanned with CamScanner

उत्तर

1. (b)	2. (c)	3. (c)	4. (a)	5. (d)	6. (b)	7. (a)
8. (c)	9. (d)	10 (d)	11. (b)	12. (c)	13. (a)	14. (b)
15. (a)	16. (a)	17. (a)	18 (c)	19. (d)	20. (a)	

Scanned with CamScanner